L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
B.A III PART.
PAPER- VIII (H)
PSYCHOLOGY (HONOURS)
TOPIC- Different views
About Dream.

Dr. Pramod Kumar Sahu
Assist- Professor.
Guest- Teacher.
V.S.J. college. Rajnagar.
MADHUBANI (BIHAR)
pramodkumardbg2018
@gmail.com.

सक्रियता - संश्लेषण सिद्धान्त - (Activation-synthesic theory) :- स्वप्न का यह एक जैविक सिद्धान्त (biological theory) है। जिससे फ्रायड के सिद्धान्त को आज सबसे कड़ी चुनौती मिल रही है। यह सिद्धान्त यह मानता है कि मस्तिष्क के भीतरी गहरी संरचनाओं से यादृच्छिक वैद्युतीय उत्सर्जित होती है जिनसे स्वप्न की शुरुआत होती है। ऐसे संकेत मूलतः मस्तिष्कीय स्तम्भ से प्रस्फुटित होते हैं और तब मस्तिष्क के कॉर्टेक्स के उच्चतर भाग उत्तेजित हो जाते हैं। इस तरह के संक्रियता में सिर्फ जैवरासायनिक ऊर्जा सम्मिलित होती है। इन यादृच्छिक वैद्युतीय संकेतों में न तो कोई तार्किक सम्बन्ध होता है और न ही कोई उनमें संगति पैदा ही होता है। फ्रायड के अनुसार यह स्वप्न [illegible] हमारे [illegible] तथा बाधित इच्छाओं को [illegible] करने का एक उत्तम तरीका है। परन्तु मस्तिष्क इन यादृच्छिक घटनाओं को संगति रूप से सम्बन्ध करने की कोशिश करता है। और यह साथ ऐसे घटनाओं से कुछ अर्थ निकालने की कोशिश करता है। अन्त-मस्तिष्क पर एक चादर डालने की कोशिश करता है तथा इन वैद्युतीय उत्तेजनों के अनगिनत [illegible] को संश्लेषित करने की कोशिश करता है। अतः मस्तिष्क के न्यूरॉन्स का एक सेट संक्रियता पैदा करता है। इसमें न्यूरॉन्स का दूसरा सेट उसमें संश्लेषण उत्पन्न करता है। यही कारण है कि स्वप्न के इस सिद्धान्त के संक्रियता-संश्लेषण सिद्धान्त कहा जाता है।

इस सिद्धान्त के प्रवर्तक मैकार्ली तथा हाब्सन है। इनका मत है कि REM नींद अवस्था के मस्तिष्क को बाहरी उत्तेजकों को रोककर

आन्तरिक मे उत्तेजन से भर देता है। जिससे मस्तिष्क का विकास एवं वृद्धि सम्भव हो पाता है। इसके बाह्यिक उत्तेजन से न कि आन्तरिक की स्मृतियों से स्वप्न विषय की निर्माणी होती है। जब सब अर्थहीन उत्तेजनों को संश्लेषित किया जाता है तो स्वभावतः उससे स्वप्न परिणित एवं अर्थपूर्ण दिखने लगाती है।

इस सिद्धान्त द्वारा कुछ ऐसे तथ्यों की भी व्याख्या होती है। जिसे मनोवैज्ञानिक साधारणतः रहस्यमय मानते हैं। REM नींद के दौरान मस्तिष्क में न्यूरॉन्स का एक सेट ऐसा होता है। जिससे एसीटाइलकोलाइन का स्राव होता है और सम्भवतः ये स्वप्न की सामग्री या उनके मौलिक तत्व होते हैं। जब न्यूरॉन्स का ताक सेट का स्राव करता होता है तो न्यूरॉन्स का दूसरा सेट जिससे सेरोटोनिन तथा नॉरएपिनेफ्रिन निकलता है वो कभी बंद रहता है। ये दो मस्तिष्कीय रसायन होते हैं। जिसकी तत्काल सूचनाओं को स्मृति में संचित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। लेकिन स्वप्न के अधिक से अधिक अंशों को दो कारणों से भूल जाता है। पहला तो यह कि चूँकि सेरोटोनिन तथा नॉरएपिनेफ्रिन की निकासी स्वप्न के दौरान बंद रहता है। अतः स्वप्न में घटी घटनाएँ स्थायी स्मृति का रूप नहीं ले पाती है। दूसरा स्वप्न में घटी लघुकालीन स्मृति में थोड़े ही देर के लिए संचित होती है। अतः उसको भूल जाना स्वाभाविक होता है।

स्पष्टतः इतना कि सक्रियता - संश्लेषण सिद्धान्त में स्वप्न को एक ऐसी प्रक्रिया बतलाया गया है। जिसके माध्यम से मस्तिष्क नींद के दौरान बाह्यिक उत्तेजनों से भी कुछ अर्थपूर्ण व्याख्या करने की कोशिश करता है।

(III)

स्वप्न पर आयु एवं यौन का प्रभाव :— (Impact of Age and Sex upon Dream)

मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि स्वप्न पर व्यक्ति के यौन एवं आयु का व्यापक प्रभाव पड़ता है। हाल-एवं वांडकैसल ने एक अध्ययन किया जिसमें उन्होंने 100 महिलाओं तथा 100 पुरुषों के स्वप्न का विश्लेषण किया और निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे।

(i) महिलाओं द्वारा जो स्वप्न देखे जाते हैं वे परिचित एवं घरेलू वातावरण से सम्बन्धित होते हैं।

(ii) महिलाओं के स्वप्नों में जाने-पहचाने किसी व्यक्ति विशेष की अधिक प्रधानता होती है। जबकि पुरुषों के स्वप्नों में किसी विशेष की नहीं बल्कि व्यक्तियों के समूहों की प्रधानता होती है।

(iii) महिलाओं के स्वप्न में जो व्यक्ति पाये होते हैं उनके दैहिक आकृतियों के वर्णन पर अधिक बल डाला जाता है। परन्तु पुरुषों के स्वप्नों में ऐसा नहीं होता है।

(iv) पुरुषों के स्वप्नों में आक्रमकता, यौन, शारीरिक उत्तेजना तथा स्वप्न में आक्रामकता, संवेग आदि की पूर्णता एवं परोक्ष ढंग से उपयोग होता है।

(v) बालकों के अधिकतर स्वप्नों में उनकी इच्छाओं की सन्तुष्टि होते पाये जाते हैं जबकि बच्चों के अधिकतर स्वप्नों में आक्रोश के संवेग की प्रधानता होती है। स्पष्ट हुआ कि स्वप्न पर व्यक्ति की आयु एवं यौन का प्रभाव पड़ता है।

Dr. Pramod Kumar Sahu.
Date- 11/07/2020.
Sub- Psychology.

Scanned with CamScanner